POSHAN Abhiyaan
PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment
सही पोषण - देश रोशन

माननीय मुख्यमंत्री जी की ओर से जनसमुदाय को संदेश

मेरे प्रिय प्रदेशवासियों,

स्वस्थ और कुपोषण मुक्त भारत के निर्माण हेतु माननीय प्रधानमंत्री महोदय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 08 मार्च 2018 को राष्ट्रव्यापी पोषण अभियान का शुभारंभ किया है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि छत्तीसगढ़ में व्यापक जन–भागीदारी और समुदाय की मदद से कुपोषण के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ी गई है। हमारा संकल्प है कि कुपोषण मुक्त राष्ट्र के निर्माण में छत्तीसगढ़ का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दर्ज होगा। जिस प्रकार बूंद–बूंद से सागर भरता है, उसी प्रकार छोटे–छोटे प्रयासों से कुपोषण के खिलाफ जंग जीती जा सकती है। अतः मैं अपील करता हूं कि अपने घर और आस–पास से शुरूआत करें। ध्यान दें कि आपके परिवार की किशोरी बालिकाओं को अच्छा पोषण आहार व सब्जियां, फल इत्यादि मिले। नियमित रूप से जांच कराएं कि वे खून की कमी का शिकार न हों। बेटी का विवाह 18 वर्ष से पूर्व न करें। गर्भवती महिला को उत्तम पोषण आहार दें, हरी सब्जियां अवश्य खिलाएं एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में महतारी जतन योजना का लाभ लेने अवश्य भेजें। जन्म होते ही बच्चों को एब घण्टे के भीतर मां का दूध अवश्य पिलाएं। 06 माह तक केवल माता का दूध बच्चे को दें और 6 माह के बाद थोड़ा–थोड़ा ऊपरी आहार कई बार दें। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को पूरे टीके लगाएं और समय पर स्वास्थ्य जांच करवाएं। सरपंच एवं पंचगण, समस्त जन प्रतिनिधि, जागरूक नागरिक इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़कर कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित करें एवं उन्हें गोद लेकर कुपोषण मुक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

मुझे विश्वास है कि इन प्रयासों से यह अभियान जन आंदोलन बन जाएगा और सबके सहयोग से हम कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ व कुपोषण मुक्त भारत बनाने में अवश्य सफल होंगे।

शुभकामनाओं सहित,

WCDCgGov